

लोकित वि. (तत्.) देखा हुआ।

लोकेश्वर पुं. (तत्.) 1. लोक स्वामी 2. महात्मा बुद्ध 3. परमात्मा।

लोकैषणा स्त्री. (तत्.) सांसारिक सम्मान और उत्कर्ष की प्रबल इच्छा या कामना, सभी प्रकार के सांसारिक सुखों की अभिलाषा।

लोकोक्ति स्त्री. (तत्.) 1. समाज में या लोक में समान रूप से प्रचलित बात, कहावत 2. एक अलंकार जिसमें काव्य को रोचक बनाने के उद्देश्य से कहावत या लोकोक्ति का प्रयोग किया जाता है।

लोकोत्तर वि. (तत्.) लोक में घटित होने वाली घटनाओं, बातों तथा प्राप्त सभी पदार्थों से श्रेष्ठ, विलक्षण, असाधारण, अलौकिक।

लोकोपकार पुं. (तत्.) लोक का उपकार, लोक या सामान्य जनसमुदाय के लिए किए गए हित या लाभ के काम।

लोकोपकारी वि. (तत्.) लोक या सामान्य जनों के हित या लाभ का काम करने वाला, सार्वजनिक उपकार या लाभ संबंधी, जिसके द्वारा सार्वजनिक उपकार किया जाता हो।

लोकोपयोगी सेवा स्त्री. (तत्.) वह सेवा या कार्य जो जनसमुदाय के लिए उपयोगी और विशेष सुविधा या हित एवं काम का हो जैसे- गाँव या नगर के लोगों के हित के लिए बिजली, पानी, शिक्षा आदि की व्यवस्था का काम। public utility service

लोखड़ी स्त्री. (देश.) लोमड़ी।

लोखर पुं. (तद्.) 1. लोहे के औजार जैसे- नाई के छुरे, कैंची तथा नहरना आदि 2. बढ़इयों, लोहारों के लोहे के औजार 3. दूकानदारों के लोहे के बाट या बटखरे।

लोग पुं. (तद्.) 1. व्यक्तियों का समूह या समाज, दल, वर्ग 2. जन साधारण, जनता।

लोग-बाग पुं. (तद्.) जन समुदाय, जन साधारण।

लोगाई स्त्री. (तद्.) स्त्री, लुगाई, नारी।

लोच स्त्री. (तद्.) 1. वस्तु का वह गुण जिसके कारण वह दबाने पर दब जाती हो व मुक्त होते ही अपनी पूर्वस्थिति में आ जाती हो 2. लचीलापन, कोमलता, मृदुता पुं. जैन साधुओं का अपने सिर के बालों को उखाड़ना, कुंचन।

लोचक पुं. (तत्.) 1. आँख का तारा या पुतली 2. काजल 3. माँस-पिंड 3. माथे पर पहने जाने वाला स्त्रियों का एक गहना 4. साँप की कैंचुली 6. प्रत्यंचा 7. झुर्रियों वाली त्वचा या तलाट 8. केला 9. मूर्ख या निर्बुद्धि व्यक्ति वि. 1. मूर्ख, बेवकूफ 2. जिसका आहार दूध हो।

लोचन पुं. (तत्.) 1. नेत्र, आँख, नयन स्त्री. देखने की क्रिया वि. चमकाने वाला।

लोचना स.क्रि. (तद्.) चमकाना, प्रकाशित करना 2. किसी से किसी बात के कारण रुचि या अनुराग उत्पन्न कर लेना 3. कामना या अभिलाषा करना 4. देखना 5. विचार करना अ.क्रि. 1. रुचि, इच्छा या कामना होना 2. शोभा देना, फबना 3. तृप्त होना 4. ललचाना, तरसना उदा.- "लोचन उतावरे है, लोचें हाय कैसे हो-घनानंद" स्त्री. एक बौद्ध देवी पुं. 1. शीशा, दर्पण 2. टीका, तिलक 3. कन्या के संतानवती होने पर माँ-बाप के घर से कन्या के घर भेजा जाने वाला मांगलिक उपहार जो सोंठ, गुड़ आदि पदार्थों को होता है।

लोचून पुं. (तद्.) लौह-चून।

लोजंग स्त्री. (देश.) एक प्रकार की नाव।

लोट स्त्री. (तद्.) 1. लोटने का भाव या क्रिया 2. जमीन पर लोटना, लुढ़कने की क्रिया या भाव।

लोटन पुं. (तद्.) 1. लोटने या जमीन पर लुढ़कने वाला एक कबूतर 2. गहरी जुताई करने वाला एक प्रकार का हल 3. रास्ते पर पड़ा कंकड़ 4. कंटीली झाड़ी 5. एक प्रकार की सज्जी वि. 1. लोटने या जमीन पर लुढ़कने वाला 2. लुढ़कने वाला।

लोटना अ.क्रि. (तद्.) 1. थकावट आदि दूर करने के उद्देश्य से लेटे-लेटे पीठ और पेट के बल